http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 152

प्रयागराज सोमवार 17 फरवरी 2025

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

महाकुंभ

रेलवे स्टेशन से पैदल ही आना होगा संगम तक

प्रयागराज जंक्शन	12 किलोमीटर
संगम प्रयाग स्टेशन	6 किलोमीटर
प्रयाग स्टेशन	7 किलोमीटर
दारागंज स्टेशन	3 किलोमीटर
रामबाग स्टेशन	8 किलोमीटर
नैनी स्टेशन	12 किलोमीटर
सूबेदारगंज स्टेशन	15 किलोमीटर
फाफामऊ स्टेशन	8 किलोमीटर
छिवकी स्टेशन	16 किलोमीटर

रेलवे स्टेशन से मेला क्षेत्र के बाहर तक लोकल कन्वेंस से आ सकेंगे, लेकिन मेले में पैदल ही एंट्री मिलेगी।

11 और 12 फरवरी को माघ पूर्णिमा के स्नान पर स्टेशन से पैदल ही संगम आना होगा, क्योंकि उस दिन ट्रैफिक डायवर्जन लागू रहेगा।

महाकुंभ में जबरदस्त भीड़

सीएम योगी ने हेलिकॉप्टर से महाकुंभ की भीड़ का हवाई सर्वेक्षण किया। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिए कि हर पाइंट पर नजर रखिए। भीड़ बढ़ते ही तुरंत वैकल्पिक इंतजाम कीजिएगा। श्रद्धालुओं का दिक्कत नहीं होनी चाहिए।

सीएम योगी ने जलवायु से जुड़े कार्यक्रम में कहा- डीजल से चलने वाली बस की जगह ई-बसें शुरू की है। संगम में इतना पावन स्नान है कि पहले जितनी भीड़ मौनी अमावस्या पर होती थी। उतनी आज हर दिन लोग स्नान कर रहे हैं। ऐसे में हम सभी का प्रयास हेना चाहिए कि दैनिक जीवन में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करें। नदियों पर कब्जा करने की नियत को खत्म करें। एक पेड़ आस्था के नाम पर पेड़ लगाने की पहल करनी होगी। कुंभ का संदेश है कि आस्था के साथ जलवायु परिवर्तन पर जरूर ध्यान दें। जिससे मानव और जीव जंतु का कल्याण हो सके।

● पुलिस चेन बनाकर आगे चल रही, ताकि भगदड़ न हो, 10 किमी पैदल चलना पड़ रहा, आज 82 लाख ने डुबकी लगाई

प्रयागराज,(एजेंसी)। महाकुंभ में आज रविवार की छुट्टी होने के चलते जबरदस्त भीड़ है। चेन बनाकर पुलिसकर्मी भीड़ के आगे चल रहे हैं। इससे भीड़ धीरे–धीरे आगे बढ़ रही है। भगदड़ जैसी स्थिति से बचने के लिए ये तरीका अपनाया जा रहा है। मेले के अब 10 दिन बचे हैं। ऐसे में परिवार के साथ बड़ी संख्या में लोग पहुंचे हैं। शहर में कई जगह जाम लगा है। श्रद्धालुओं के वाहन भी संगम से 10–12 किमी पहले बनाई गई पार्किंग में रोके जा रहे हैं। पार्किंग और स्टेशन से करीब 10 किमी तक पैदल ही संगम तक जाना पड़ रहा है। प्रशासन ने मेला क्षेत्र में वाहनों की एंट्री रोक दी। सभी तरह के पास भी रद्द कर दिए हैं। बावजूद इसके मेले में वीआईपी कल्चर नजर आ रहा है। लोग गाड़ियों से एंट्री कर रहे हैं। ऐसे में श्रद्धालुओं को दिक्कत हो रही है। सीएम योगी भी महाकुंभ पहुंचे। वह श्जलवायु सम्मेलनश से जुड़े कार्यक्रम में शामिल हुए। सेक्टर– 21 स्थित प्रदीप मिश्रा की कथा में शामिल होंगे। इसके अलावा, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और धर्मेंद्र प्रधान ने संगम में डुबकी लगाई। आज महाकुंभ का 35वां दिन है। दोपहर 12 बजे तक 82.52 लाख श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई। 13 जनवरी से अब तक 52.29 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई। इतिहास में यह सबसे बड़ा आयोजन रिकॉर्ड किया गया। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के साथ महाकुंभ का समापन होगा।प्रयागराज रेलवे स्टेशन में भीड़ जबरदस्त है। यहां स्थिति को कंट्रोल करने में पुलिस के पसीने छूट गए। जंक्शन के सिटी साइड पर लोग जल्दबाजी और भगदड़ न करें, इसलिए पुलिस खुद आगे–आगे चल रही है। प्रयागराज रेलवे स्टेशन में भीड़ जबरदस्त है। यहां स्थिति को कंट्रोल करने में पुलिस के पसीने छूट गए। जंक्शन के सिटी साइड पर लोग जल्दबाजी और भगदड़ न करें, इसलिए पुलिस खुद आगे–आगे चल रही है।सीएम योगी ने हेलिकॉप्टर से महाकुंभ की भीड़ का हवाई सर्वेक्षण किया। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिए कि हर पाइंट पर नजर रखिए। भीड़ बढ़ते ही तुरंत वैकल्पिक इंतजाम कीजिएगा। श्रद्धालुओं का दिक्कत नहीं होनी चाहिए। कोखराज में हाईवे व रोही बाईपास पर दूसरे दिन भी लगा जाम कौशाम्बी में महाकुंभ में बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या के कारण शनिवार से ही कोखराज हाईवे व रोही बाईपास पर पांच किमी तक लगा वाहनों का लंबा जाम दूसरे दिन रविवार को भी जारी रहा। यातायात सामान्य करने के लिए पुलिस के साथ ही पीएसी के जवान लगे रहे।मेले में आज से दो दिनों के लिए नो व्हीकल जोन महाकुंभ नगर। वीकेंड को देखते हुए मेले में शनिवार से दो दिनों के लिए नो व्हीकल जोन व्यवस्था लागू कर दी गई है। इसके तहत संपूर्ण मेला क्षेत्र में प्रशासकीय और चिकित्सीय वाहनों को छोड़कर अन्य किसी भी तरह के वाहन पर रोक रहेगी। यह प्रतिबंध पासधारक वाहनों पर भी लागू होगा। मेले की ओर आने वाले सभी वाहनों को निकटतम पार्किंग में पार्क कराया जाएगा। शनिवार से शुरू होकर यह व्यवस्था रविवार तक लागू रहेगी।

अमेरिका का सैन्य विमान 119 अवैध अप्रवासी भारतीयों को लेकर अमृतसर पहुंचा

अमृतसर,(एजेंसी)। संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा 104 अवैध भारतीय अप्रवासियों को सैन्य विमान से वापस भेजे जाने के दस दिन बाद, 119 और अवैध अप्रवासी भारतीयों को लेकर शनिवार रात 11ः40 बजे अमृतसर के गुरु रामदास जी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरा। दूसरे जत्थे के तौर पर

अमृतसर पहुंचे 119 लोगों में 67 पंजाबी शामिल हैं। इनमें गुरदासपुर से 11, होशियारपुर से 10, कपूरथला से 10, पटियाला से सात, अमृतसर से छह, जालंधर से पांच, फिरोजपुर से चार, तरनतारन से तीन, मोहाली से तीन, संगरूर से तीन, रोपड़ से एक, लुधियाना से एक, मोगा से एक, फरीदकोट से एक और फतेहगढ़ साहिब से एक शामिल है। अमेरिका का एक और सैन्य विमान 157 प्रत्यर्पित भारतीयों के तीसरे जत्थे को लेकर आज रात गुरु रामदास जी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरेगा।

नई दिल्ली रेलवे हादसा

18 की मौत का जिम्मेदार कौन?

● रेलवे का तंत्र हुआ फेल, भीड़ का अंदाजा नहीं लगा पाए अधिकारी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन संवेदनशील रेलवे स्टेशन में से एक है। यहां पर आरपीएफ की ओर से खुफिया इनपुट जुटाने के लिए आरपीएफ के विशेष कर्मी तैनात रहते हैं। इसके बावजूद उनकी ओर से भी भीड़ को लेकर कोई इनपुट नहीं दिया गया। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात रेलवे अधिकारियों की लापरवाही से हुई भगदड़ में 18 लोगों में मौत हो गई। इस मामले में रेलवे की ओर से देर रात तक आधिकारिक तौर पर यह नहीं बताया जा सका है कि कितने लोग घायल हुए और कितने लोगों की जान गई। फिलहाल मामले की जांच के लिए उच्चस्तरीय जांच टीम का गठन किया गया है। वही दूसरी तरफ से घटनास्थल पर रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सतीश कुमार, आरपीएफ के महानिदेशक समेत कई अधिकारी पहुंचे। बताया जा रहा है कि मामले में न तो रेलवे अधिकारी भीड़ का अंदाजा लगा पाए और न

ही आरपीएफ के अधिकारी। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन संवेदनशील रेलवे स्टेशन में से एक है। यहां रोजाना पांच लाख से अधिक लोगों की आवाजाही होती है। ऐसे में यहां पर आरपीएफ की ओर से खुफिया इनपुट जुटाने के लिए विशेष कर्मी तैनात रहते हैं। इसके बावजूद उनकी ओर से भी भीड़ को लेकर कोई इनपुट नहीं दिया गया।

कुंभ से लौट रहे तीर्थयात्रियों की ट्रक से टक्कर, एक की मौत, 10 घायल

जौनपुर,(एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के जौनपुर जिले में जलालपुर थाना क्षेत्र के सई नदी पुल के पास शनिवार देर रात प्रयागराज महाकुंभ से स्नान कर छत्तीसगढ़ लौट रहे तीर्थयात्रियों के वाहन को तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। घटना में एक युवक की मौत हो गई जबकि 10 हम लोग गांधी ग्रुप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार जिले में जलालपुर थाना क्षेत्र के ऑफिस जौनपुर वाराणसी सई नदी के पुल के पास प्रयागराज महाकुंभ से स्नान करके अपने घर छत्तीसगढ़ के लिए लौट रहे तीर्थ यात्रियों की बोलेरो को ट्रक में पीछे से धक्का मार दिया। इस हादसे में प्रदीप कुमार सिंह (30 वर्ष), पुत्र स्वर्गीय उदित नारायण सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 10 अन्य तीर्थयात्री घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल शकुंतला (45 वर्ष), रामदुलार (57 वर्ष), शिव शंकर साहू (43 वर्ष) और कृष्ण कुमार (35 वर्ष) को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बाकी सात घायलों का इलाज सिरकोनी ट्रामा सेंटर में चल रहा है।

दिल्ली भगदड़ पर गुस्साया विपक्ष

● जमकर की मोदी सरकार और रेलवे की आलोचना

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ पर सरकार और रेलवे की आलोचना की है। उन्होंने लिखा, श्नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मचने से कई लोगों की मृत्यु और कईयों के घायल होने की खब्बर अत्यंत दुखद और व्यथित करने वाली है। यह घटना एक बार फिर रेलवे की नाकामी और सरकार की असंवेदनशीलता को उजागर करती है।श नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात भगदड़ मच गई, जिसमें 18 लोगों की मौत हो गई और 12 से ज़्यादा लोग घायल हो गए। सूत्रों का कहना है कि प्रयागराज जाने वाली ट्रेन के प्लैटफॉर्म में बदलाव की गलत घोषणा से भ्रम की स्थिति पैदा हुई, जिसके कारण भगदड़ मची।

अब इस घटना को लेकर विपक्ष ने मोदी सरकार पर हमला बोला है।

केजरीवाल के 'शीशमहल' का विस्तार किए जाने के आरोपों की जांच होगी: भाजपा

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। आम आदमी पार्टी(आप) ने इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा से अपनी नकारात्मक राजनीति छोड़ने और दिल्ली के लोगों से किए गए वादों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) ने केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) को दिल्ली के छह फ्लैगस्टाफ रोड स्थित बंगले के विस्तार के लिए संपत्तियों के कथित विलय और इसकी साज–सज्जा पर हुए खर्च की विस्तृत जांच करने का निर्देश दिया है। भाजपा ने कथित भ्रष्टाचार के कारण इस बंगले को ''शीशमहल'' करार दिया है। इसमें अरविंद केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में 2015 से पिछले साल अक्टूबर के पहले सप्ताह तक रहे थे। आम आदमी पार्टी(आप) ने इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा से अपनी नकारात्मक राजनीति छोड़ने और दिल्ली के लोगों से किए गए। वादों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। सीवीसी ने भाजपा नेता विजेंद्र गुप्ता की दो पिछली शिकायतों और सीपीडब्ल्यूडी की तथ्यात्मक रिपोर्टों का संज्ञान लिया है।

'सच छिपाने की कोशिश शर्मनाक'

● हताहतों का आंकड़ा बताए सरकार: कांग्रेस चीफ खरगे

नई दिल्ली,(एजेंसी)। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार को अत्यधिक भीड़ जमा होने से भगदड़ मच गई। हादसे में 17 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हुए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सरकार से मृतकों और घायलों की संख्या का आंकड़ा जल्द जारी करने की मांग की है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ से हुई कई लोगों की मौत के मामले में सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार सच छिपाने की कोशिश कर रही है, जो बेहद शर्मनाक और निंदनीय है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ से कई लोगों की मौत होने की खबर अत्यंत पीड़ादायक है।

स्टेशन से आ रहे वीडियो बेहद हृदयविदारक हैं। उन्होंने मांग की है कि सरकार मामले में जल्द से जल्द मृतकों और घायलों का आंकड़ा जारी करे। इसके अलावा, गुमशुदा लोगों की पहचान भी सुनिश्चित करे।

कमाऊ पूत

हमारा लोकतंत्र विश्व में सबसे बड़ा है। जनता सरकारें चुनती रहीं हैं और जनता का 75 सालों से 'विकास' होता जा रहा है। यहां तक कि आज गरीबी की रेखा के नीचे जीने वाले भी बढ़ते–बढ़ते जनसंख्या के आधे होने जा रहे हैं। कई सरकारी सेवाओं से 'संतुष्ट होकर' अब तब हजारों नागरिक या तो आत्महत्या कर चुके हैं या मारे जा चुके हैं। ऐसी ही एक सरकारी योजना है–फसल बीमा योजना, जो वर्षों से नृशंसता का पर्याय बनी हुई है। लगभग पूरे देश के किसान इस योजना से आतंकित हैं। मैंने स्वयं मध्यप्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री व मौजूदा केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से चर्चा की थी, उन्होंने सार्वजनिक मंच से स्वीकार भी किया था कि बैंकों के मैनेजर और बीमा कंपनियों के अधिकारी अवैध तरीकों से फसल बीमा योजना के नाम पर किसानों को फंसाते हैं। उनका आर्थिक रूप से शोषण करते हैं। कई किसान इस कारण आत्महत्या कर चुके हैं। उधर अपना टारगेट पूरा करके कृषि अधिकारी–बीमा अधिकारी स्वर्ग का सुख भोगते हैं। किसी की भी आत्मा उनको धिक्कारती नहीं है।

कल ही पत्रिका की खबर में सिरोही के एक किसान का बयान छपा है कि बैंक बिना बताए ही फसल का बीमा कर रहे हैं। मंडार–जैतवाड़ा–सोरड़ा जैसे अधिकांश गांवों के किसानों की यही समस्या है। इससे किसानों की अनावश्यक ही प्रीमियम राशि (किस्तें) काट ली जाती हैं। नियमों की जानकारी के अभाव में जो किसान बीमा नहीं कराना चाहते उनके भी किसान क्रेडिट कार्ड के खाते से सीधी किस्तों की राशि काट ली जाती है। किसानों को इसकी जानकारी तक नहीं होती। इस कारण जो राशि खातों में कम हो जाती है उस पर ब्याज और चढ़ा दिया जाता है। किसान भले ही आत्महत्या कर ले, इनका तो टारगेट पूरा हो जाता है। यही सरकार है 'फॉर द पीपुल'।

मध्यप्रदेश में जब पत्रिका ने अभियान छेड़ा तब जो तथ्य प्रकट हुए उनसे पता लगा कि किसानों को ऋण–आवेदन के समय बीमा की जानकारी या अस्वीकृति की बात नहीं की जाती थी। अतरू किसान लिखकर नहीं दे पाता था। बीमा सम्बन्धी नियमों को फार्म के पीछे अंग्रेजी में, छोटे अक्षरों में अंकित किया जाता था। न तो पढ़ सकते, न ही समझाया जाता।

अधिकारी सदा जनता को लूटने में ही अपनी होशियारी समझता है। मानो वह दूसरे देश से इस कार्य के लिए ठेके पर लाया गया हो। वह इस बात से ज्यादा प्रसन्न होता है कि उसने कानून की गलियां निकालकर बिना नुकसान का मुआवजा दिए किसान को मरने के लिए लौटा दिया। किस्तों की राशि और मुआवजे की राशि का अनुपात कोई देख ले तो चक्कर आ जाए। बीमा कंपनियां सरकार का सबसे बड़ा कमाऊ पूत हैं।

वर्ष 2016 में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना लागू हुई। नाम का डर नीचे वालों को कहां लगता है! मंत्री आते–जाते रहते हैं–संतरी खाते रहते हैं। किसानों को कोई लाभ नहीं मिला। यह तथ्य कौन नहीं जानता –बैंकों के निदेशक जानते हैं– कोई मैनेजर बर्खास्त नहीं हुआ, अवैध कटौती करके भी। बीमा विभाग के जिम्मेदार ऊपर तक मस्त है–मुआवजे की रकम खाकर। किसान परिवार की गरीबी और दुर्दशा पर कोई आंसू नहीं टपकता है। न्यायालय तक गुहार की पुकार पहुंचती ही कहां है जो संज्ञान ले। आम आदमी की तरह समाचार पढ़ लिए जाते हैं। कृषि अधिकारी भी, बैंकों की तरह, बीमा के टारगेट पूरे करने में ही व्यस्त रहते हैं। वैसे ये सभी जनता के नौकर हैं। कैसे कसाई हैं ये–प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अगस्त 2024 के आंकड़ों के अनुसार पिछले आठ सालों में 17.80 करोड़ किसानों ने बीमा के लिए दावा किया था जबकि 62.60 करोड़ किसानों का फसल बीमा कर दिया गया। इनमें से अधिकांश के खातों से सीधी राशि काटकर टारगेट पूरे किए गए। क्या कर लेंगे प्रधानमंत्री जी!

सामर्थ्य पर बार-बार सवाल उठाना सही नहीं

आयुर्वेद, भारतीय चिकित्सा की प्राचीन विधा, आज वैश्विक स्तर पर गंभीर बीमारियों के समाधान में अपनी सटीकता और प्रभावशीलता के लिए प्रसिद्ध हो रहा है। ऐसे में आयुर्वेद की क्षमता–सामर्थ्य पर बार–बार सवाल उठाना सही नहीं है। हाल ही में प्रसिद्ध पूर्व क्रिकेटर की पत्नी का आयुर्वेद से कैंसर ठीक होने के बाद यह बहस एक बार फिर छिड़ गई है। इससे पहले भी आयुर्वेद पर प्रहार और सवाल होते रहे हैं। सवाल उठाने वाले पक्ष–विपक्ष का मुद्दा बनाकर आम जनता तक सच्चाई नहीं पहुंचने देना चाहते हैं। हालांकि पक्ष और विपक्ष में दोनों ही पार्टियां अपने को सत्य बताते हुए रिसर्च और साक्ष्यों का हवाला भी देती हैं। इन सबके बावजूद हमें समझना चाहिए कि आयुर्वेद 5000 साल से हमारी चिकित्सा का माध्यम बना हुआ है। आयुर्वेद में हजारों वर्ष पहले कही गई बातों को आज भी आधुनिक चिकित्सा पद्धति केवल पुष्टि कर रही है, खारिज करने में असमर्थ है।आयुर्वेद, जो मानवता के प्राचीनतम चिकित्सा विज्ञानों में से एक है, केवल पारंपरिक उपचार पद्धति नहीं है, बल्कि यह जीवन के गहन वैज्ञानिक अध्ययन पर आधारित है। इसे 'जीवन का विज्ञान' कहा जाता है, क्योंकि यह शरीर, मन, और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करने पर बल देता है। आयुर्वेद त्रिदोष सिद्धांत (वात, पित्त, कफ) और पंचमहाभूत (पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश) जैसे वैज्ञानिक दृष्टिकोणों पर आधारित है, जो शरीर और प्रकृति के पारस्परिक संबंध को गहराई से समझाने में सहायक हैं। त्रिदोष सिद्धांत शरीर के कार्यात्मक पहलुओं का वर्णन करता है, जहां वात शरीर की गतिशीलता और तंत्रिका तंत्र को नियंत्रित करता है, पित्त पाचन और ऊर्जा प्रबंधन में सहायक है और कफ संरचना और प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है। पंचमहाभूत सिद्धांत बताता है कि शरीर और प्रकृति के बीच पूर्ण सामंजस्य आवश्यक है।

आधुनिक अनुसंधान ने आयुर्वेद की वैज्ञानिकता को बार–बार सिद्ध किया है। उदाहरणस्वरूप, त्रिफला को एंटीऑक्सीडेंट और कैंसर–रोधी गुणों के लिए प्रभावी पाया गया है। अश्वगंधा तनाव और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार लाने में सहायक है, जबकि हल्दी का करक्यूमिन सूजन और संक्रमण से लड़ने में सक्षम है। आयुर्वेद में रोगों का इलाज केवल लक्षणों को दबाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके मूल कारणों को खत्म करने पर केंद्रित है। इसके अलावा, आयुर्वेद व्यक्ति–विशेष की प्रकृति (प्रकृति) के अनुसार व्यक्तिगत उपचार योजनाएं बनाता है, जो इसे एक अद्वितीय और प्रभावशाली चिकित्सा पद्धति बनाता है। इस समग्र दृष्टिकोण और प्राकृतिक उपचार की वजह से ही आयुर्वेद आज भी प्रासंगिक है और गंभीर बीमारियों के समाधान में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

आयुर्वेद ने डायबिटीज, कैंसर, हृदय रोग और मानसिक स्वास्थ्य जैसी गंभीर बीमारियों के प्रबंधन और समाधान में अपनी उपयोगिता बार–बार साबित की है। यह वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर आधारित है। पतंजलि जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में हुए अनुसंधान ने आयुर्वेदिक औषधियों की प्रभावशीलता को स्थापित किया है। आयुर्वेद के हर क्षेत्र विशेष शोध चल रहे हैं। उदाहरण के लिए गुड़मार, विजयसार और मेथी जैसी जड़ी–बूटियां डायबिटीज के नियंत्रण में मददगार साबित हुई हैं। इनके उपयोग से न केवल रक्त शर्करा का स्तर नियंत्रित होता है, बल्कि ये पैंक्रियाज की क्षतिग्रस्त बीटा कोशिकाओं को पुनर्जीवित करने में भी सहायक होती हैं। इसी प्रकार, कैंसर जैसे जटिल रोगों में तुलसी, हल्दी और गिलोय जैसी औषधियों के कैंसर–रोधी गुणों को वैज्ञानिक शोधों में प्रमाणित किया गया है। हमारे संस्थान पतंजलि में बनी विशेष दवा का सांस संबंधित रोगों में कारगर माना गया है। इस शोध को विश्व के बड़े मेडिकल रिसर्च जर्नल्स ने भी प्रकाशित किया है।

हृदय रोगों के लिए आयुर्वेद ने अर्जुन की छाल, लहसुन और अश्वगंधा जैसी औषधियों के माध्यम से समाधान प्रस्तुत किया है, जो हृदय की कार्यक्षमता को सुधारने और रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करती हैं। मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं, जैसे चिंता, अवसाद और अनिद्रा, के उपचार में ब्राह्मी, शंखपुष्पी, और जटामांसी का उपयोग प्रभावी पाया गया है। आयुर्वेद का उद्देश्य केवल लक्षणों को दबाना नहीं है, बल्कि बीमारियों के मूल कारणों को जड़ से समाप्त करना है। इन उपचारों का दीर्घकालिक प्रभाव और साइड इफेक्ट्स से मुक्त होना इसे अन्य चिकित्सा पद्धतियों से अधिक प्रभावी और भरोसेमंद बनाता है। इसके वैज्ञानिक प्रमाण और समग्र दृष्टिकोण आयुर्वेद को गंभीर बीमारियों के लिए एक उत्कृष्ट और स्थाई विकल्प बनाते हैं।

आधुनिक चिकित्सा प्रणाली जहां रसायनों और दवाओं के दुष्प्रभावों से ग्रस्त है, वहीं आयुर्वेद एक प्राकृतिक, सुरक्षित और दीर्घकालिक समाधान प्रदान करता है। यह केवल रोगों का इलाज करने तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यक्ति की समग्र जीवनशैली में सुधार लाने पर भी जोर देता है। आयुर्वेदिक औषधियां जैसे तुलसी, अश्वगंधा, गिलोय और हल्दी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर बीमारियों से बचाव और उपचार दोनों में प्रभावी हैं। आयुर्वेद का उपचार हर व्यक्ति की प्रकृति (प्रकृति) और उनकी विशेष आवश्यकताओं के अनुसार तैयार किया जाता है, जिससे यह अधिक व्यक्तिगत और प्रभावी बनता है। इन उपचारों में रसायनों के उपयोग से बचा जाता है, जिससे कोई साइड इफेक्ट नहीं होता और रोगी के दीर्घकालिक स्वास्थ्य और कल्याण को सुनिश्चित किया जाता है। आयुर्वेद केवल चिकित्सा नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है, जो शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन को बनाए रखती है।

आयुर्वेद आज केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वैश्विक स्तर पर एक व्यापक पहचान बना चुका है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) ने पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के प्रचार के लिए भारत को एक प्रमुख केंद्र के रूप में मान्यता दी है और अब आयुर्वेद की महत्ता को दुनियाभर में स्वीकार किया जा रहा है। अमरीका, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में आयुर्वेदिक उत्पादों और उपचारों की मांग तेजी से बढ़ रही है। आयुर्वेद की प्राकृतिक और सुरक्षित चिकित्सा पद्धतियों ने न केवल स्वास्थ्य विशेषज्ञों बल्कि आम लोगों के बीच भी विश्वास और लोकप्रियता अर्जित की है। इसके प्रभावी परिणाम, जैसे मानसिक स्वास्थ्य में सुधार, ताजगी और रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि, आयुर्वेद को वैश्विक स्तर पर एक सम्मानित चिकित्सा पद्धति के रूप में स्थापित कर रहे हैं।

आयुर्वेद की प्रभावशीलता पर सवाल उठाने वालों के लिए सबसे महत्वपूर्ण और सकारात्मक उत्तर यह है कि यह पद्धति प्राचीन समय से प्रभावी रूप से कार्य करती आ रही है। आयुर्वेद न केवल बीमारी के इलाज के लिए एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करता है, बल्कि यह जीवनशैली, आहार और मानसिक स्वास्थ्य के बीच संतुलन बनाए रखने में भी मदद करता है। हालांकि, इस प्राचीन पद्धति की समझ को आधुनिक विज्ञान से जोड़ने की आवश्यकता है, ताकि इसके उपचारों को और अधिक प्रमाणिकता मिल सके। इसके लिए अनुसंधान और प्रमाण आधारित अध्ययन बेहद आवश्यक हैं, जो यह सिद्ध करें कि आयुर्वेद की औषधियाँ और उपचार आधुनिक चिकित्सा के समान प्रभावी और सुरक्षित हैं। यह अध्ययन आयुर्वेदिक सिद्धांतों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से प्रमाणित करेगा और दुनियाभर में इसे एक और सशक्त चिकित्सा पद्धति के रूप में स्थापित करेगा।

भारत में आयुर्वेद के शोध और अनुसंधान में कई बड़े कदम उठाए गए हैं। भारतीय आयुर्वेद अनुसंधान परिषद और अन्य संस्थाएं आयुर्वेद के सिद्धांतों और उपचारों पर निरंतर शोध कर रही हैं। इन अनुसंधानों के माध्यम से आयुर्वेद के प्रभाव को सैद्धांतिक और प्रयोगात्मक रूप से प्रमाणित किया जा रहा है। इसके अलावा, भारत सरकार ने आयुष मंत्रालय के तहत आयुर्वेद, योग, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी के अध्ययन और अनुसंधान को बढ़ावा दिया है। इसके परिणामस्वरूप, आयुर्वेद को और अधिक वैज्ञानिक और सटीक बनाया गया है और यह पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में अग्रणी बन चुका है। आयुर्वेद को लेकर उठने वाली समस्याओं के बावजूद, यह सिद्ध है कि इसके सिद्धांत और उपचार शारीरिक, मानसिक और आत्मिक स्वास्थ्य के लिए उपयुक्त और प्रभावी भी हैं।

अमरीका में शरण मांगने वालों में बेतहाशा वृद्धी

लाखों लोग छोड़ रहे हैं भारतीय नागरिकता ?

भूपेन्द्र गुप्ता

एक समय था जब ब्रिगेडियर उस्मान को बंटवारे के समय पाकिस्तान का सेनाध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव दिया गया था लेकिन उन्होंने यह कहकर इनकार कर दिया था कि भारत मेरा देश है इस धरती में मेरे बुजुर्ग दफन हैं।उन्होंने पाकिस्तान का सेनाध्यक्ष बनने की बजाय भारत का ब्रिगेडियर बना रहना स्वीकार किया और अपना नौसेरा बचाने के लिये शहीद हो गये।वह तघे अनिश्चितता का समय था,जान–माल का खतरा था किंतु आज तो निश्चंतता का समय है। संवैधानिक और नियामक संस्थायें देश को आजादी के प्रति सजग कर रहीं हैं ऐसे दौर में कुछ खबरें हैरान भी करतीं हैं और चिंतित भी।

संसद में एक प्रश्न के उत्तर में बताया गया है कि पिछले 10 सालों में लगभग 15 लाख भारतीय नागरिकों ने देश की नागरिकता त्याग दी है ।इससे भी जो ज्यादा चिंताजनक आंकड़ा है वह यह कि अमेरिका में शरण मांगने वाले भारतीयों की संख्या में 855 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। विदित हो कि अमेरिका में शरण मांगने वाले दो तरह से शरण के लिए आवेदन करते हैं एक तो वह जिन्हें एफर्मेटिव कहा जाता है और दूसरा वे जिन्हें डिफेंसिव कहा जाता है यानि सुरक्षा की दृष्टि से वे अमेरिका में शरण की गुहार लगाते हैं अमेरिका की होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट की इमीग्रेंट एनुअल फ्लो रिपोर्ट बताती है कि 2023 में अमेरिका में शरण चाहने वाले आवेदकों में 41हजार 330 भारतीय शामिल थे जो कि 2022 की तुलना में 855 फीसदी ज्यादा है और भी आश्चर्यजनक बात यह है कि इसमें से आधे आवेदक गुजरात राज्य के हैं।जहां 2014 के बाद समृद्धि का विस्फोट हुआ है। समझना जरूरी है कि उन भारतीयों ने क्योंकर सुरक्षा एसाईलम के लिये आवेदन किया है? वर्ष 2022 में शरणार्थी के रूप में आवेदन करने वाले 14 हजार 570 भारतीयों में से 9200 ने डिफेंसिव एसाईलम यानि सुरक्षा शरण का आवेदन किया है।

भारत की अर्थव्यवस्था के उछालें भरने के दावे ,आम नागरिक के लिये सुरक्षा की गारंटी और बेहतर अवसरों के प्रचार के बीच भी अगर 41हजार 330 नागरिक अमरीका में शरण मांग रहे हैं और उनमें भी 50त्न से अधिक सुरक्षा कारणों से तो यह पड़ताल का विषय होना ही चाहिए ? इन सुरक्षा शरण चाहने वाले भारतीयों को देश में क्या खतरा लग सकता है? उनमें से आधे उस राज्य से क्यों हैं जिसमें सर्वाधिक विकास के दावे किये जा रहे हैं?अमरीका में एलपीआर रिपोर्ट के अनुसार लगभग 28 लाख भारत में जन्मना नागरिक रहते हैं जो मेक्सिको में पैदा हुए अमरीकी नागरिकों के बाद सर्वाधिक संख्या है।अकेले 2022 में ही 1लाख 28 हजार 878 मेक्सीकन,65 हजार.960 भारतीय,53 हजार 413 फिलिपाईन नागरिकों को अमरीकी नागरिकता के लिये न्यूट्रिलाईज किया गया है।ऐसा माना जाता है कि सामान्यतरूआर्थिक ,शैक्षणिक अवसरों और राजनैतिक स्थिरता को देखते हुए सुरक्षित भविष्य की तलाश में लोग अपनी नागरिकता त्याग करने का कठिन फैसला लेते हैं।अमरीका में रहने वाले 28 लाख 31 हजार 330 भारतीयों में 42 फीसदी भारतीय , अमरीकन नागरिकता के लिये अपात्र हैं। इसके बावजूद भारतीय ब्रेन इतनी बड़ी तादाद में जोखिम क्यों उठा रहा है?

मोटा–मोटी सभी देशों से आर्थिक प्रवासी अवसरों की तलाश करते हैं जिसमें आऊटफ्लो और इनफ्लो की मात्रा देश की वास्तविक परिस्थितियों का बखान कर देती है।जिन 10 वर्षों में 15 लाख भारतीयों ने नागरिकता छोडने का आवेदन किया है उसी दौरान विगत पांच सालों में मात्र 5 हजार220 विदेशियों को भारतीय नागरिकता दी गई है उनमें 4 हजार 552 यानि 87 फीसदी तो पाकिस्तानी, 8 फीसदी अफगानिस्तानी और 2 फीसदी बंगलादेशी हैं। इसका अर्थ है कि भारतीय नागरिकता त्यागने वालों के मुकाबले भारतीय नागरिकता चाहने वालों की संख्या 1 प्रतिशत भी नहीं है।

लंदन की हेनली एंड पार्टनर की एक रिपोर्ट के अनुसार लगभग 7 हजार सुपर रिच धनाढ्य भारत की नागरिकता छोड़ सकते हैं।सरकार ने राज्यसभा में बताया है कि वह इन लोगों की व्यावसायिक पृष्ठभूमि के बारे में अनभिज्ञ है।भारतीय टेक्स कानूनों,स्वास्थ्य सुविधाओं और इनवेस्टमेंट माईग्रेशन नागरिकता त्यागने की नयी बजह के रूप में सामने आ रही है। मेहुल चौकसी जैसे लोग इसी इवेस्टमेंट माईग्रेशन के नाम पर भाग खड़े हुए हैं।नागरिकता छोडने का एक कारण यह भी है कि कई देश दोहरी नागरिकता स्वीकार नहीं करते,दूसरा बड़ा कारण अन्य देशों में निर्वाध आवाजाही के लिये भारतीय पासपोर्ट पर केवल 60 देशों में बीजा फ्री या आगमन पर बीजा सुविधा उपलब्ध है जबकि अमरीकन पासपोर्ट पर 186 देशों में यह सुविधा प्राप्त है। जन्म से भारतीय विदेशी नागरिकों को भारत में ओसीआई(ओवरसीज सिटीजन आफ इंडिया के रूप में पंजीकृत किया जा सकता है) माना जाता है।गृह मंत्रालय ने सदन को जानकारी दी है कि आज ओसीआई की संख्या 1लाख 90 हजार है जो 2005 में मात्र 300 हुआ करती थी।इसका अर्थ है कि लगभग 8 फीसदी नागरिकता त्यागने वाले भारतीय ही ओसीआई के रूप में देश से जुड़े रहना चाहते हैं।अवसरों की तलाश और बेहतर जीवन की महत्वाकांक्षा मानव स्वभाव है किंतु जब अवसर देश से बड़ा बनने लगे तो मानिये चिंता का समय आ गया है।

जीवनरक्षक जांचने का सिस्टम ही बीमार

आशीष जोशी

प्रदेश में जीवनदायिनी कहे जाने वाली एम्बुलेंस को लेकर जानलेवा लापरवाही बरती जा रही है। सरकारी एम्बुलेंस में हर महीने जांच की खानापूर्ति हो रही है तो निजी एम्बुलेंस को जांचने का अधिकार ही स्वास्थ्य विभाग को नहीं है। ऐसे में कई बार मरीजों की जान पर बन आती है, लेकिन इस ओर कोई गंभीर नहीं है। निजी एम्बुलेंस को तो सरकार ने जैसे खुली छूट ही दे रखी है। यह कितनी जीवनरक्षक है, इसे जांचने का कोई सरकारी प्रावधान ही नहीं है। सूबे का स्वास्थ्य महकमा खुद मानता है कि निजी एम्बुलेंसों को जांचना उनके अधिकार क्षेत्र में ही नहीं है। परिवहन विभाग एम्बुलेंस का पंजीयन करता है और संचालन की स्वीकृति भी वही देता है। उसके बाद विभाग केवल इनके वाहनों की फिटनेस चौक करता है। अंदर जीवनरक्षक उपकरण काम कर रहे हैं या नहीं, इसकी जांच कोई नहीं कर रहा।हैरानी की बात है कि एम्बुलेंस श्रेणी में पंजीकृत वाहन को सरकार ने टैक्स फ्री कर रखा है तो दूसरी तरफ लूट की खुली छूट भी दे रखी है। अधिकांश जिलों में इनकी दरें ही तय नहीं है। जहां कोरोनाकाल में दरें तय की गई, वहां भी पालना नहीं हो रही है। कोविड के दौरान भी इनकी मनमानी और लूट की खूब शिकायतें आईं थी। प्रदेश के सरकारी अस्पतालों के बाहर सड़क पर इनका ही कब्जा रहता है। अस्पताल के मुख्य द्वार पर कई बार ये गाड़ियां यातायात में बाधक बनती हैं तो कई मर्तबा मरीज को ले जाने को लेकर चालक झगड़े पर उतारू हो जाते हैं।

राजस्थान के इस जिले में कोचिंग से लेकर हॉस्टल तक बच्चों को बुलाने के लिए हो रहे कई नवाचार, सर्वे में ये हुआ खुलासा

इधर, सरकारी एम्बुलेंस सेवा 108 और 104 के आए दिन बीच रास्ते खड़ी होने से मरीज की जान सांसत में आने के मामले कई बार सामने आते हैं। वर्ष 2008 में प्रदेश में सरकारी अस्पतालों की एम्बुलेंस के सामानांतर मरीजों को अस्पताल पहुंचाने के लिए 108 एम्बुलेंस सेवा शुरू की गई थी। उस वक्त यह सेवा एमओयू के तहत शुरू की गई थी। बाद में इसमें ठेका प्रथा की घुसपैठ हो गई। हर महीने प्रत्येक एम्बुलेंस पर सरकार करीब डेढ़ लाख रुपए खर्च कर रही है। बावजूद इसके एम्बुलेंस की ठीक से मेंटेनेंस नहीं हो रही।

प्रदेश में जननी सुरक्षा के लिए 104 के नाम से ऐसी ही एक और एम्बुलेंस सेवा संचालित है। इसकी हालत और भी ज्यादा बदतर है। सरकार की ओर से संबंधित ठेका फर्म को महीने का प्रति एम्बुलेंस एक से डेढ़ लाख रुपए तक भुगतान किया जा रहा है। मरीज को सुविधा मिले या नहीं, लेकिन खर्च का मीटर चलता रहता है।

जीवनरक्षक चिकित्सा उपकरणों से लैस होने का दावा करने वाली सरकारी और निजी दोनों एम्बुलेंस की हेल्थ ऑडिट होनी चाहिए। सरकारी एम्बुलेंस की जांच भी महज कागजी खानापूर्ति न होकर भौतिक सत्यापन जरूरी है। वहीं निजी एम्बुलेंस को जांचने की भी व्यवस्था अविलंब कायम करनी होगी। ताकि मरीज को 'गोल्डन आवर्स' में अस्पताल पहुंचाकर इनके जीवनरक्षक होने का दावा सार्थक साबित हो सके।

देश की सुरक्षा में सेनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका-जिलाधिकारी

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला सैनिक बन्धु की बैठक सम्पन्न

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय के सभागार में जिला सैनिक बन्धु की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में भूतपूर्व सैनिकों/आश्रितों क्रमशः केएन सिंह, सुबेदार दिनेश सिंह, नायक रामदेव, हवलदार मो0 आजाद, नायक अमित सिंह, हवलदार रामदेव सिंह, सुबेदार सुरेन्द्र प्रसाद, माया देवी, सिपाही जगदेव बहादुर सिंह, सुबेदार रमेश प्रताप सिंह, सुबेदार विजय कुमार यादव, लीलावती आदि ने भूमि विवाद, अवैध कब्जा, शस्त्र लाइसेंन्स आदि के सम्बन्ध में

➤ भूतपूर्व सैनिकों/आश्रितों की समस्याओं को प्राथमिकता पर कराया जायेगा निस्तारण-जिलाधिकारी

अपनी-अपनी शिकायतों को जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया। जिलाधिकारी ने भूतपूर्व सैनिकों/आश्रितों को शिकायतों को गम्भीरता पूर्वक सुनकर प्रकरण से सम्बन्धित अधिकारियों को पत्राचार कर निराकरण कराये जाने हेतु जिला सैनिक कल्याण एवु पुनर्वास अधिकारी को निर्देशित किया। बैठक के दौरान भूतपूर्व सैनिक अवगत कराया है कि मीराभवन वार्ड में पानी के सप्लाई से गन्दा पानी आ रहा है जिससे लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने ईओ नगर पालिका परिषद को निर्देशित किया कि आवश्यक कार्यवाही करते हुये शिकायत का निस्तारण करायें। उन्होने भूतपूर्व सैनिकों/आश्रितों को आश्वस्त किया कि जो भी शिकायतें प्राप्त हुई है उसका नियमानुसार प्राथमिकता से निस्तारण कराया जायेगा। उन्होने सैनिकों

व उनके आश्रितों से कहा कि यदि थानों में उनकी शिकायतों की सुनवाई नही हो रही है तो पुलिस अधीक्षक, जिलाधिकारी के पास अपनी शिकायतों को प्रस्तुत कर सकते है जिससे शिकायतों का समाधान कराया जा सके।

इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि देश की एकता और अखण्डता को स्थापित करने में देश की तीनों सेनाओं का अहम योगदान है, देश की सुरक्षा और शांति बनाये रखने में सेनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, सैनिकों के पुरूषार्थ के ही बदौलत हमारे देश की एकता और अखण्डता अक्षुण्ण है। सैनिकों की सेवा से ही देश के लोग शान्तिपूर्वक रहते है और अपने कार्यो को सम्पन्न करते है।

बैठक में बताया गया कि पूर्व सैनिक संगठन द्वारा सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अन्तर्गत जनपद का लक्ष्य के अन्तर्गत कुल 3 लाख की धनराशि का कलेक्शन किया जा चुका है जिसमें 7 लाख के अधिक धन एकत्रित करने हेतु जनपद के समस्त पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि अधिक से अधिक धनराशि जमा करायें। इसी क्रम में पूर्व सैनिक संगठन द्वारा रूपये 5001 का चेक देकर झण्डा दिवस कार्यक्रम को जारी रखने हेतु कहा गया। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) अजय तिवारी, वरिष्ठ कोषाधिकारी अनामिका सिंह, जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कमाण्डर दिनेश कुमार मिश्र, जिला समाज कल्याण अधिकारी नागेन्द्र कुमार मौर्य, ईओ नगर पालिका परिषद बेल्हा राकेश कुमार, सुबेदार गुरून्ग, 18 यूपी बटालियन एनसीसी सहित भूतपूर्व सैनिक/आश्रित व अन्य सम्बन्धित उपस्थित रहे।

ओमान और मलेशिया की यूनिवर्सिटी के साथ सीएसजेएमयू का करार

कानपुर । इंटरनैशनल एक्सपोजर के लिए सीएसजेएमयू के स्टूडेंटस को अब एक और मंच मिल गया है छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय अब वैश्विक पटल पर दो नए संस्थानों के साथ अपने स्टूडेंट्स के लिए साझा रिसर्च व साझा डिग्री, ज्वाइंट पीएचडी प्रोगाम के नए अवसर प्रदान करेगा विश्वविद्यालय

➤ ग्लोबल मैप पर सीएसजेएमयू का विस्तार, कुलपति प्रोफेसर पाठक ने कुलाधिपति की उपस्थिति में एमओयू पर किए हस्ताक्षर

➤ साझा रिसर्च व साझा डिग्री, ज्वाइंट पीएचडी जैसे विषयों के लिए किया गया समझौता, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की उपस्थिति में हुआ एमओयू साइन।

के कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक ने इस सम्बन्ध में सोहार यूनिवर्सिटी ओमान, मैनेजमेंट और साइंस यूनिवर्सिटी मलेशिया के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं गोवा में चल रही क्यूएस इंडिया समिट 2025 में दोनों संस्थानों के अधिकारियों ने राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए एआईयू प्रेसिडेंट और सीएसजेएमयू के कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक ने इस अवसर पर कहा कि इस एमओयू के माध्यम से, दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोगाम, फैकल्टी एक्सचेंज प्रोगाम, संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रम, संयुक्त पीएचडी पर्यवेक्षण और संयुक्त अकादमिक अंडर एवं पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री कार्यक्रमों को बढ़ावा देंगे यह समझौता ज्ञापन हमारे छात्रों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए उन्हें विभिन्न सांस्कृतिक और अकादमिक अनुभव प्रदान करेगा हमारे संकायों के आदान-प्रदान कार्यक्रमों के माध्यम से, हम अपने शिक्षकों को नवीनतम शिक्षा पद्धतियों और अनुसंधान तकनीकों से अवगत कराने का प्रयास करेंगे साझा रिसर्च और संयुक्त पीएचडी पर्यवेक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से हम अपने छात्रों और शिक्षकों को वैश्विक स्तर पर अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में योगदान करने का अवसर प्रदान करेंगे और संयुक्त डिग्री कार्यक्रमों के माध्यम से हम अपने छात्रों को वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त डिग्री प्रदान करेंगे, जिससे वे ग्लोबल पहचान बना सके। इसी के साथ उन्होंने कहा कि इस एमओयू के माध्यम से विश्वविद्यालय और हमारे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत संबंध स्थापित होंगे एमओयू के मुख्य प्रावधान छात्र और फैकल्टी आदान-प्रदान, हर साल छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय और दोनों संस्थानों के छात्र और शिक्षक एक-दूसरे के कैंपस में शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए जाएंगे शोध और नवाचार, शोध और नवाचार के क्षेत्र में विश्वविद्यालय दोनों संस्थाओं के साथ मिलकर एक साथ आयेगा और दोनों संस्थानों के शोधकर्ता नई खोजों और तकनीकी समाधानों का आदान-प्रदान करेंगे।

संक्षेप

हिस्ट्रीशीटर अपराधी गिरफ्तार

आजमगढ़। गौतम पाण्डेय पुत्र अशोक पाण्डेय निवासी अचलीपुर थाना अतरौलिया जनपद आजमगढ़ द्वारा थाना स्थानीय पर लिखित तहरीर दिया कि दिनांक 18.01.2025 को सचिन उर्फ आकृति पाण्डेय पुत्र रामदयाल पाण्डेय निवासी अचलीपुर थाना अतरौलिया जनपद आजमगढ़ द्वारा गाली गुप्ता देते हुए मारना पीटना व जान से मारने की धमकी देने के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर दिनांक 18.01.2025 को मु0अ0सं0 0015ध्25 धारा 115(2)ध्352ध्351(2) 117(2) बीएनएस थाना अतरौलिया जनपद आजमगढ़ बनाम सचिन उर्फ आकृति पाण्डेय पुत्र रामदयाल पाण्डेय निवासी अचलीपुर थाना अतरौलिया जनपद आजमगढ़ पंजीकृत किया गया । जिसकी विवेचना उ0नि0 पवन कुमार शुक्ला द्वारा संपादित की जा रही थी । विवेचना के दौरान मुकदमा उपरोक्त मे धारा 117(2) बीएनएस की वढ़ोत्तरी की गई है ।आज मंगलवार को उ0नि0 पवन कुमार शुक्ला मय हमराह द्वारा मुकदमा उपरोक्त से संबंधित अभियुक्त सचिन उर्फ आकृति पाण्डेय पुत्र रामदयाल पाण्डेय निवासी अचलीपुर थाना अतरौलिया जनपद आजमगढ़ के घर से समय 12.45 बजे पुलिस हिरासत में लिया गया ।गिरफ्तार अभियुक्त का चालान मा0 न्यायालय किया गया ।

कारतूस के साथ तीन गिरफ्तार

आजमगढ़। मंगलवार को उ0नि0 राजेन्द्र प्रसाद पटेल चौकी प्रभारी पहाड़पुर, मय हमराह द्वारा चेकिंग के दौरान मोजरापुर मुबारकपुर पुलिया से 03 व्यक्ति 1. अभिनन्दन यादव पुत्र मदन यादव निवासी ग्राम मोहब्बतपुर थाना मुबारकपुर जनपद आजमगढ़ उम्र 22 वर्ष, 2. अभिषेक यादव पुत्र महेन्द्र यादव निवासी ग्राम मोहब्बतपुर थाना मुबारकपुर जनपद आजमगढ़ उम्र 23 वर्ष , 3 अजय राजभर पुत्र स्व0 दिनेश राजभर निवासी ग्राम मालव थाना मोहम्दाबाद गोहना जनपद मऊ उम्र 22 वर्ष को असलहा कारतूस के साथ समय 9.30 पुलिस हिरासत में लिया गया तथा कब्जे से कट्टा व कारतूस बरामद किया गया । गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थआना कोतवाली पर 1.मु0अ0सं0 76ध्2025 धारा 3ध् 25 शस्त्र अधि. थाना कोतवाली जनपद आजमगढ़, 2.मु0अ0सं0 77ध्2025 धारा 3ध् 25 शस्त्र अधि. थाना कोतवाली जनपद आजमगढ़ 3.मु0अ0सं0 78ध्2025 धारा 3ध् 25 शस्त्र अधि. थाना कोतवाली जनपद आजमगढ़ पंजीकृत कर गिरफ्तार अभियुक्त का चालान मा0 न्यायालय किया गया ।

तमंचा कारतूस के साथ गिरफ्तार

आजमगढ़। अवैध तमंचा व कारतूस के साथ एक गिरफ्तार,मंगलवार को उ0नि0 सौरभ सिंह मय हमराह पुलिस बल के रोडवेज चौराहे पर चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति के दौरान एक व्यक्ति इस्लामपुरा जामियाबाद मोड़ के पास से अभियुक्त बाशिद पुत्र इरशाद अहमद निवासी ग्राम शहीदनगर थाना मुबारकपुर जनपद आजमगढ को एक अदद नाजायज तमंचा .315 बोर व एक अदद जिन्दा कारतूस .315 बोर के साथ समय करीब 22.25 बजे गिरफ्तार किया गया। जिसके सम्बन्ध मे थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 64ध्2025 धारा 3ध्25 आयुध अधि बनाम बाशिद पुत्र इरशाद अहमद निवासी ग्राम शहीदनगर थाना मुबारकपुर जनपद आजमगढ पंजीकृत किया गया जिसकी विवेचना उ0नि0 अश्वनी कुमार मिश्र द्वारा सम्पादित की जा रही है।

रास्ते में आया लकड़बग्घा

ऊंचाहार, रायबरेली।तहसील क्षेत्र में लखनऊ प्रयागराज राजमार्ग पर सड़क के बीचोंबीच सड़क पार करते समय लकड़बग्घा घायल हो गया।जिसके बाद वो लगभग 30 सेकंड तक सड़क पर खड़ा रहा, जिससे वहां से गुजर रहे राहगीरों में हड़कंप मच गया। वहीं इस मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है।रायबरेली प्रतापगढ़ जिले की सीमा पर सबीसपुर के पास सोमवार की रात एक लकड़बग्घा सड़क पार करते समय किसी वाहन की चपेट में आकर घायल हो गया, दोंनो तरफ से आ रहे वाहनों को देख वो सड़क पर खड़ा हो गया, जिससे लखनऊ प्रयागराज राजमार्ग पर गुजर रहे वाहन सड़क पर खड़े हो गये।पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उसे जंगल की तरफ भगा दिया।वहीं लकड़बग्घा दिखाई देने से आसपास के गंगा कटरी इलाके के गांवों में दहशत व्याप्त है।वनदरोगा दिनेश चंद्र गुप्ता ने बताया कि मामले की जानकारी मिली है,टीम को मौके पर भेजा गया है।

वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

ऊंचाहार, रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र में परिवहन विभाग की खटारा बस को धक्का देते यात्रियों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वायरल वीडियो ने विभाग की कार्यशैली पर सवाल खड़े किये हैं। हालाकि अखबार इसकी पुष्टि नहीं करता है।सोमवार की रात प्रयागराज से श्रद्धालुओं को लेकर जा रही परिवहन विभाग के हैदरगढ़ डिपो की बस क्षेत्र के सवैया तिराहा स्थित रेस्टोरेंट पर जलपान करने के लिए रुकी थी।जिसके बाद सभी यात्री बस में जाने के लिए बैठ गए तभी बस स्टार्ट नहीं हुई।जिसके बाद यात्रियों ने बस को धक्का देना शुरू किया लेकिन बस स्टार्ट नहीं हुई।काफी देर तक यात्री परेशान हुए।बताते है कि इस दौरान दूसरी बस में बैठने के लिए यात्रियों से नोकझोंक भी हुई।वहीं इस घटना का वीडियो बनाकर किसी ने सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

सावधानी पूर्वक इंटरनेट प्रयोग करें

कानपुर-जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में ष्साथ मिलकर एक बेहतर इंटरनेट के लिएष् थीम पर आधारित श्सुरक्षित इंटरनेट दिवसश मनाया गया इस अवसर पर जिलाधिकारी ने उपस्थित अन्य लोगों से सुझाव मांगते हुए सभी से सावधानी पूर्वक इंटरनेट इस्तेमाल करने की अपील की उन्होंने कहा कि इंटरनेट चलाते समय यह चेक कर लेना चाहिए कि साइट ऑथेंटिक है कि नहीं है अपनी व्यक्तिगत जानकारियां फेसबुक या अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अनावश्यक शेयर ना करें कोई भी लिंक आ गया है तो सबसे पहले उसका डोमेन चेक करें फर्जी साइट से बचने का प्रयास करें कोई भी एसएमएस पर लिंक आते हैं तो उसे क्लिक करके उसे खोलने से पहले उसकी उसकी जांच पड़ताल कर लें इसके अलावा उन्होंने इंटरनेट चलाते समय आम जनमानस हुआ व वहां उपस्थित लोगों से अन्य महत्वपूर्ण सावधानियां भी बरतने की अपील की।

स्वर्णप्राशन कार्यक्रम का आयोजन

कानपुर-पुष्य नक्षत्र के उपलक्ष्य में छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस अंतर्गत संचालित स्वास्थ्य केन्द्र राजकीय बाल गृह कानपुर और आरोग्य क्लीनिक लाल बंगले में स्वर्णप्राशन कार्यक्रम संपन्न हुआ, जिसमें लगभग 110 बच्चों ने भाग लिया कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाले इन बच्चों का निःशुल्क रूप से स्वर्णप्राशन कराया गया कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ आयुर्वेदाचार्य डा० वंदना पाठक, संस्थान के निदेशक डा० दिग्विजय शर्मा, सहायक निदेशक डा० मुनीष रस्तोगी, डा० राम किशोर, अनुराग मिश्रा, पंकज कुमार ने दीप प्रज्वलन एवं धन्वंतरि पूजन के साथ किया इस अवसर पर वरिष्ठ आयुर्वेदाचार्य डा० वंदना पाठक ने उपस्थित अभिभावकों और लोगों को ऋतु के अनुसार आहार-विहार और रोगों से बचाव पर विशेष रूप से परामर्श दिया उन्होंने कहा बसंत ऋतु को ऋतुराज की संज्ञा दी गई है ।

अंतर्जनपदीय गाजा तस्कर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

आजमगढ़। थाना सिधारी पुलिस तथा एसओजी टीम आजमगढ़ द्वारा 01अन्तर्राज्यीय गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त के कब्जे से 221.820 किलोग्राम नाजायज गांजा (कीमत लगभग 35 लाख रूपयें), अभियुक्त के कब्जे से 610 रूपये नगद तथा एक ट्रक बरामद किया गया है। प्र0नि0 शशिचन्द चौधरी मय हमराह व एसओजी टीम प्रभारी संजय कुमार सिंह मय हमराह की संयुक्त पुलिस टीम को सूचना मिली कि एक ट्रक नं0- न्च्61।ज्2948 जहानागंज की तरफ से आ रही है उसमें कुछ संदिग्ध है । मुखबिर की बात पर विश्वास कर सभी पुलिस वहां से प्रस्थान कर सुहेलदेव विश्वविद्यालय तिराहे पर पहुंचकर चेकिंग करने लगे कि थोड़ी देर में एक ट्रक आता हुआ दिखाई दिया पास आने पर पुलिस टीम द्वारा उस ट्रक को रूकवाकर चालक का नाम पता पूछा गया तो उसने अपना नाम मनोज यादव पुत्र स्व0 श्रीनाथ यादव ग्राम फौलादपुर थाना बहरियाबाद जनपद गाजीपुर उम्र 35 वर्ष बताया। पूछताछ पर उसने बताया कि गाड़ी से माल खाली करके आजमगढ़ जा रहे हैं, गाड़ी में कोई सामान नहीं है, यह कहते हुए घबड़ा रहा था। शक होने पर नियमतः पुलिस द्वारा गाड़ी चेक किया गया तो गाड़ी के पीछे तीन बोरों का बण्डल मिला तथा पूछने पर पकड़े गये व्यक्ति ने बताया कि इसमें नाजायज गांजा है, तत्काल राजपत्रित अधिकारी को सूचित करते हुए मौके पर बुलाया गया तथा नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करते हुए चालक के गाड़ी की तलाशी लेने पर कुल 22 बण्डल (221.820 ग्राम) गांजा प्राप्त हुआ। अभियुक्त को हिरासत पुलिस में लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त मनोज यादव उपरोक्त से पूछताछ करने पर अभियुक्त ने बताया कि यह ट्रक मेरे भाई मौनु यादव पुत्र श्रीनाथ यादव के नाम से है। इसका मालिक मैं ही हूं । गाड़ी मेरे नाम से नहीं हो पा रहा था इसलिए मैने अपने भाई के नाम से गाड़ी करा दिया।

किशोरी को अगवा करने वाला गिरफ्तार

आजमगढ़। वादिनी थाना तरवां जनपद आजमगढ़ ने थाना तरवां पर लिखित तहरीर दी कि दिनांक 06ध्01ध् 2025 को विपक्षी जयसिंह चौहान पुत्र उमेश चौहान ग्राम भदिया गोपालपुर थाना तरवां जनपद आजमगढ़ द्वारा वादिनी मुकदमा की नाबालिक पुत्री उम्र 13 वर्ष को बहला फुसला कर भगा ले ले गया है, के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 02ध्2025 धारा 137(2), 87 बी0एन0एस0 बनाम जयसिंह चौहान पुत्र उमेश चौहान ग्राम भदिया गोपालपुर थाना तरवां जनपद आजमगढ़ के विरुद्द पंजीकृत किया गया था जिसकी विवेचना व0उ0नि0 जीतेन्द्र कुमार सिंह द्वारा सम्पादित किया जा रहा है । गुरुवार को वरि.उ0नि0 जीतेन्द्र कुमार सिंह मय हमराह द्वारा मुकदमा उपरोक्त मे नामित एक नफर अभियुक्त जयसिंह चौहान पुत्र उमेश चौहान निवासी भदिया (भोपालपुर) थाना तरवा आजमगढ उम्र करीब 19 वर्ष को थाना गोकुलसिर गॉव एम.आई.बी.सी. जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र से अभियुक्त जयसिंह चौहान उफरोक्त को समय करीब 18.00 बजे पुलिस हिरासत में लिया गया।

पशुपालक जागरूकता शिविर का किया गया आयोजन

प्रतापगढ़। एस्कैड योजना के अन्तर्गत पशुपालक जागरूकता शिविर का आयोजन ग्राम पंचायत भवन गड़ईचकदेईया में किया गया। शिविर का उद्घाटन विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य द्वारा किया गया। शिविर में विधायक सदर द्वारा पशुपालन विभाग तथा सरकार की अन्य योजनाओं जैसे मुर्गी पालन (बैंकयार्ड), भेंड़ पालन व बकरी पालन तथा मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना आदि के बारे में विस्तार से पशुपालकों को बताया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा0 प्रदीप कुमार द्वारा पशुधन बीमा, किसान क्रेडिट कार्ड (पशुपालन घटक) तथा मुख्यमंत्री निराश्रित गोवंश सहभागिता योजना के बारे में विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम में उप मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डा0 राम शब्द, ग्राम प्रधान अमित कुमार सिंह, पशुधन प्रसार अधिकारी विनय श्रीवास्तव, मीनाक्षी, लक्ष्मी, डा0 राम सजीवन मौर्य तथा संदीप सिंह, धीरेन्द्र सिंह उपस्थित रहे।

कालेज में बारहवीं के छात्रों की भावभीनी विदाई

बीजपुरध्सोनभद्र(आरएनएस)। आदर्श रिहंद शिक्षा निकेतन एकेडमी पुनर्वास प्रथम बीजपुर में मंगलवार को बारहवीं कक्षा के छात्रध्छात्राओं की विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय में सरस्वती पूजन एवं हवन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुरोहित भोलानाथ पांडेय द्वारा विधि विधान पूर्वक माता सरस्वती की पूजा अर्चना करवा कर सर्व मंगलकामना की गई।सभी शिक्षक शिक्षिकाओं व छात्रध्छात्राओं ने हवन में आहुतियां देकर परीक्षा में सफलता की कामना की।हवन पूजन कार्यक्रम के पश्चात कक्षा ग्यारहवीं के छात्रों द्वारा बारहवीं के छात्रों को भावभीनी विदाई दी गयी।

विदाई समारोह में सीनियर छात्र छात्राओं ने जूनियर कक्षा के विद्यार्थियों के साथ अपने अपने अनुभवों को साझा किया।वहीं जूनियर छात्रों ने भी अपने सीनियर छात्रों को परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए शुभकामनाएं दी।विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने भी बच्चों को आशीर्वाद प्रदान कर उनकी सफलता की कामना की।प्रधानाचार्य ताड़क नाथ दुबे ने सभी बोर्ड परीक्षार्थियों को परीक्षा से सम्बंधित दिशा निर्देश दिए तथा उन्होंने कहा कि मन लगाकर अध्ययन करें,बिना किसी तनाव के निर्भीक होकर परीक्षा में जाएं और मेहनत व लगन से पढ़ाई करें निश्चित ही सफलता आपके कदमो में होगी। इस अवसर पर कुछ बच्चों ने विदाई गीत गाकर माहौल को गमगीन कर दिया। अंत मे जूनियर छात्रों द्वारा सभी सीनियर छात्रध्छात्राओं को तिलक लगाकर कार्यक्रम का समापन किया गया। इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक बीजपुर अखिलेश मिश्रा,समाजसेवी अनिल त्रिपाठी, शिवधारी गुप्ता, श्रीराम यादव, क्षेत्र के पत्रकारगण, विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकायें व बच्चे मौजूद रहे।

बीएमएस के प्रयासों की एक और शानदार सफलता

लालगंज,रायबरेली। सोमवार को देर शाम के आधुनिक रेल कोच कारखाने के कालोनी परिसर में लगे 115 मीटर ऊंचे झंडे का उद्घाटन सम्पन्न हुआ। इस उपलक्ष्य में बीएमएस के कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर किया।अध्यक्ष आदर्श सिंह बघेल ने कहा कि यह हम सब रेल कोच कारखाने के निवासियो के लिए बहुत ही गर्व की बात है। हालांकि आदर्श सिंह बघेल ने कहा कि अगर जब 2020 के पहले यह पोल बनकर तैयार हुआ था, तब यह झंडा भारत ही नही एशिया का भी सबसे बड़ा झंडा था। लेकिन अब यह रेल विभाग का सबसे बड़ा व देश का तीसरे नम्बर का झण्डा है। बीएमएस के महामंत्री सुशील गुप्ता ने बताया कि रेलवे बोर्ड के अधिकारी एमटीआरएस पिछले 18 जनवरी को रेल कोच आये थे, तब बीएमएस ने इस मुद्दे को भी प्रमुखता से उठाया था।तब उन्हों ने कहा था कि मैं दिल्ली जाकर रेलमंत्री जी से बात करूंगा और आज आप सबको बताते हुए अपार गर्व हो रहा है कि मजदूर संघ टीम की प्रमुख मांग आज पूरी हो गई। सोमवार को इस झंडे का उद्घाटन कर राष्ट्र को समर्पित किया गया और सदैव के लिए यह तिरंगा झंडा हम सबके लिए प्रेरणादायक के रूप में काम करेगा। उक्त कार्यक्रम में बीएमसी के संगठन मंत्री रामबरन वर्मा, कोषाध्यक्ष राकेश कुमार ,सहायक महामंत्री जितेन्द्र सिंह, उपाध्यक्ष ज्ञानेंद्र सिंह अग्रवाल, राजेश पाल ,सहदेव सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

गरीबों के प्रति समर्पित है सरकार की योजनाएं : स्वतंत्रदेव सिंह

अयोध्या।(आरएनएस) मिल्कीपुर विधानसभा के ग्राम मिठौरा, डफलपुर, मोईकला के चतई का पुरवा में जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने जनचौपाल लगाई। विधायक रुदौली रामचन्दर यादव, पूर्व ब्लाक प्रमुख कमलेश यादव की मौजूदगी में आयोजित चौपाल में उन्होंने सरकार

➤ मिल्कीपुर विधानसभा के गांवों में जलशक्तिमंत्री ने किया जनसम्पर्क

की उपलब्धियों के बारें में जानकारी दिया। मोईकला में आयोजित जनचौपाल में जलशक्ति मंत्री ने कहा कि गरीबों के चेहरे पर खुशी का भाव लाने के लिए सरकार लगातार बिना भेदभाव के काम कर रही है। सरकार की सभी योजनाएं गरीब, किसान, मजदूर, युवाओं के प्रति समर्पित है।उन्होंने बताया कि अंतिम व्यक्ति को योजनाओं का लाभ दिया गया है। यूपी में भयमुक्त परिवेश का निर्माण किया गया है। अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई है। भ्रष्टाचार को लेकर जीरो टालरेंस की नीति के तहत कार्य किया जा रहा है। जिसके कारण उत्तर प्रदेश निवेशकों की पसंद बनता जा रहा है। उद्यमियों व व्यापारियों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए सरकार ने योजनाओं की श्रंखलाएं दी है। उन्होंने बताया कि सर्वांगीण विकास की अवधारणा को जमीन पर उतारा गया है। गरीबों को आवास, शौचालय के साथ रसोईगैस व निःशुल्क विद्युत कनेक्शन मिला है। गरीबों के इलाज की आयुष्मान योजना के तहत व्यवस्था की गई है। मौके पर पार्टी पदाधिकारी व स्थानीय लोग मौजूद रहे।

कार्य में देरी होने पर जताई नाराजगी

कानपुर-जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने 43 करोड़ की निर्माणाधीन बिठूर सेबसु वाया खेरेश्वर मार्ग का निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि मार्ग निर्माण का कार्य बहुत धीमा है जिस पर उन्होंने अधिशासी अभियंता को सितंबर तक हर हाल में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए उन्होंने मार्ग निर्माण की गुणवत्ता को परखते हुए निर्देश दिए की इस महत्वपूर्ण मार्ग के निर्माण में तेजी लाने के साथ-साथ इसकी गुणवत्ता का भी विशेष ध्यान दिया जाए जिससे यह सड़क मार्ग काफी समय तक दुरुस्त बना रहे जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता से मार्ग की चौड़ाई के साथ-साथ मार्ग के किनारे 2 मीटर बनने वालीं पटरी की स्थिति को भी परखा इसके पश्चात जिलाधिकारी ने प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालय तारापति नवादा, शिवराजपुर का औचक निरीक्षण भी किया निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पाया कि विद्यालय के आठ अध्यापकों में से तीन छुट्टी पर है ।

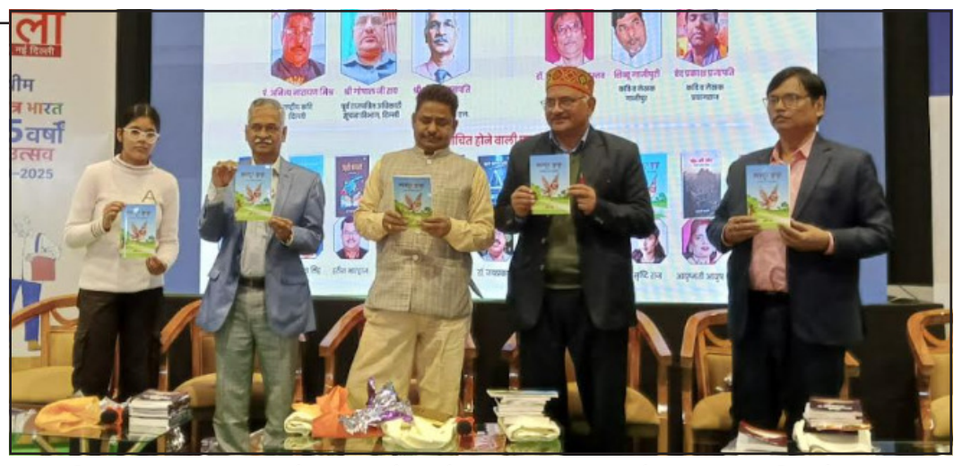

विश्व पुस्तक मेला के लेखक मंच से हुआ विमोचन

मीरजापुर। विश्व पुस्तक मेला, नई दिल्ली के प्रतिष्ठित लेखक मंच से सृष्टि राज की दूसरी पुस्तक बहादुर कूकू का विमोचन हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय कवि पं. अनित्य नारायण मिश्र, विशिष्ट अतिथि के रूप में गोपाल जी राय (पूर्व राजपत्रित अधिकारी, सूचना विभाग), वेद प्रकाश प्रजापति (महाप्रबंधक, ए आई ई एस एल), डॉ. मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव (वरिष्ठ साहित्यकार) मंचासीन रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रसिद्ध स्क्रिप्ट राइटर व लेखक शिब्बू गाजीपुरी ने किया। धन्यवाद वेद प्रकाश प्रयागराज ने किया। सृष्टि राज कृत बहादुर कूकू बाल-कहानियों का संग्रह है। इससे पुर्व 2024 के विश्व पुस्तक मेले में सृष्टि राज की बाल-कहानियों की पुस्तक दर्पण में बचपन का विमोचन हुआ था। सृष्टि राज मिर्जापुर के विंध्यवासिनी महाविद्यालय की छात्रा हैं। जिन्हें बाल साहित्य लेखन के लिए कानपुर और नाथद्वारा, राजस्थान की साहित्यिक संस्थाओं द्वारा पुरस्कृत किया जा चुका है। सृष्टि राज मिर्जापुर के वरिष्ठ साहित्यकार आनंद अमित की पुत्री हैं।

बैसवारा महाविद्यालय में पुरातन छात्र परिषद की बैठक आयोजित

लालगंज, रायबरेली। बैसवारा महाविद्यालय में मंगलवार को पूर्व छात्रों की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई।पुरातन छात्र परिषद की बैठक मे सम्मिलित हुए सभी छात्रो को प्रबंधक लाल देवेंद्र बहादुर सिंह एवं प्राचार्य प्रोफेसर शीला श्रीवास्तव ने बधाई देते हुए कहा कि इस तरह की बैठकों का समय-समय पर आयोजन होते रहना चाहिए। जिससे छात्र-छात्राओं को प्रेरणा मिलती है एवं नई ऊर्जा का संचार होता है ।महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डा रमेश चंद्र यादव ने बताया कि इस पुरातन छात्र परिषद की बैठक में डा संजीव कुमार मिश्रा, सहायक आचार्य राजनीति विज्ञान, डा के के दीक्षित सहायक आचार्य भूगोल, डा मनोज कुमार त्रिपाठी सहायक आचार्य भूगोल, जर्नलिस्ट सुशील कुमार शुक्ला ,अजीत कुमार यादव आदि बड़ी संख्या में मौजूद रहे और सभी ने पुराने दिनों के अकादमिक उपलब्धियो पर विस्तार पूर्वक चर्चा की एवं अपने-अपने अनुभव साझा किये।

रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण, आंशिक निरस्तीकरण/ओरिजिनेशन, रिशेड्यूलिंग एवं मार्ग परिवर्तन

भारतीय रेल द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि महाकुंभ मेला 2025 के दौरान निम्नलिखित रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण, आंशिक निरस्तीकरण/ओरिजिनेशन, रिशेड्यूलिंग एवं मार्ग परिवर्तन किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:–

रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण

गाड़ी सं.	स्टेशन से - स्टेशन तक	प्रयागराज जं. पर वर्तमान समय		प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
		आगमन	प्रस्थान	
दिनांक 17.02.2025 (सोमवार) को प्रयागराज जं. पर आने वाली रेलगाड़ियाँ				
12428	आनन्द विहार (ट.)-रीवा	06:10	06:15	17.02.2025

रेलगाड़ियों का आंशिक निरस्तीकरण/ओरिजिनेशन

गाड़ी सं.	स्टेशन से-स्टेशन तक	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि	शार्ट टर्मिनेटेड/ओरिजिनेटेड स्टेशन	शार्ट टर्मिनेटेड/ओरिजिनेटेड स्टेशन पर टेंटेटिव आगमन/प्रस्थान
14117	प्रयागराज-बर्द्धमान	17.02.2025	कानपुर सेंट्रल	प्रस्थान - 18:25

रेलगाड़ियों की रिशेड्यूलिंग

गाड़ी सं.	स्टेशन से-स्टेशन तक	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि	प्रारंभिक स्टेशन से वर्तमान समय	रिशेड्युल्ड (घंटे मिनट'' में)	प्रारंभिक स्टेशन से प्रस्तावित प्रस्थान समय	प्रयागराज जं. पर वर्तमान प्रस्थान समय
दिनांक 17.02.2025 (सोमवार) को प्रयागराज जं. पर आने वाली रेलगाड़ियाँ						
12792	दानापुर-सिकंदराबाद	17.02.2025	12:15	04'00''	16:15	20:20
20840	नई दिल्ली-रांची	17.02.2025	16:10	02'00''	18:10	22:58-23:00
12424	नई दिल्ली-डिब्रुगढ़	17.02.2025	16:20	02'00''	18:20	23:08-23:10
12302	नई दिल्ली-हावड़ा	17.02.2025	16:50	02'00''	18:50	23:41-23:43
22812	नई दिल्ली-भुवनेश्वर	17.02.2025	17:00	02'00''	19:00	23:51-23:53
18428	आनंद विहार(ट.)-पुरी	17.02.2025	17:20	02'00''	19:20	00:23-00:25
15159	छपरा-दुर्ग	17.02.2025	07:10	04'00''	11:10	15:15-15:35
12816	आनंद विहार(ट.)-पुरी	17.02.2025	07:30	04'00''	11'30''	15:55-16:05
18310	जम्मू तवी-सम्बलपुर	16.02.2025	14:20	04'00''	18'20''	17:10-17:20
15631	बाड़मेर-गुवाहाटी	17.02.2025	00:05	04'00''	04'05	21:25-21:35
12316	उदयपुर सिटी-कोलकाता	17.02.2025	00:45	04'00''	04'45	22:05-22:10

रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन

गाड़ी सं.	स्टेशन से स्टेशन तक	प्रयागराज जं. पर वर्तमान समय		निर्धारित मार्ग	प्रस्तावित परिवर्तित मार्ग वाया	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
		आगमन	प्रस्थान			
12488	आनंद विहार ट.-जोगबनी	16:55	17:00	कानपुर सेंट्रल-प्रयागराज-पंडित दीनदयाल उपाध्याय जं.	कानपुर सेंट्रल-लखनऊ-बाराबंकी-गोरखपुर	17.02.2025
15484	दिल्ली-अलीपुर द्वार जं.	17:40	17:45	कानपुर सेंट्रल-प्रयागराज-पंडित दीनदयाल उपाध्याय जं.	कानपुर सेंट्रल-लखनऊ-बाराबंकी-गोरखपुर	17.02.2025
15631	बाड़मेर-गुवाहाटी	21:25	21:35	कानपुर सेंट्रल-प्रयागराज-पंडित दीनदयाल उपाध्याय जं.	कानपुर सेंट्रल-लखनऊ-बाराबंकी-गोरखपुर	17.02.2025
15018	गोरखपुर-लोकमान्य तिलक (ट.)	15:50	16:10	औड़िहार-वाराणसी-जंघई-प्रयागराज जं.-मानिकपुर	गोरखपुर-बाराबंकी-लखनऊ-कानपुर सेंट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-बीना-इटारसी	17.02.2025
11072	बलिया लोकमान्य तिलक (ट.)	19:10	19:35	वाराणसी-जंघई-प्रयागराज जं.-मानिकपुर	वाराणसी-जौनपुर-लखनऊ-कानपुर सेंट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-बीना	17.02.2025
22130	अयोध्या कैंट-लोकमान्य तिलक (ट.)	18:00	18:25	अयोध्या कैंट-प्रयाग-प्रयागराज-मानिकपुर	अयोध्या कैंट-लखनऊ-कानपुर सेंट्रल-उरई-वीरांगनालक्ष्मीबाई झाँसी	17.02.2025
15017	लोकमान्य तिलक (ट.)-गोरखपुर	07:55	08:20	मानिकपुर-प्रयागराज जं.-जंघई-वाराणसी	इटारसी-बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-कानपुर सेंट्रल-लखनऊ-बाराबंकी-गोरखपुर	17.02.2025
11071	लोकमान्य तिलक(ट.)-बलिया	15:50	16:15	बीना-सागर-मानिकपुर-प्रयागराज-जंघई-वाराणसी	बीना-वीरांगनालक्ष्मीबाई झाँसी-कानपुर सेंट्रल-लखनऊ-जौनपुर-वाराणसी	17.02.2025
12488	आनंद विहार(ट.)-जोगबनी	16:55	17:00	कानपुर सेंट्रल-प्रयागराज-पंडित दीनदयाल उपाध्याय जं.	कानपुर सेंट्रल-लखनऊ-बाराबंकी-गोरखपुर	18.02.2025
15484	दिल्ली-अलीपुरद्वार जं.	17:40	17:45	कानपुर सेंट्रल-प्रयागराज-पंडित दीनदयाल उपाध्याय जं.	कानपुर सेंट्रल-लखनऊ-बाराबंकी-गोरखपुर	18.02.2025
15018	गोरखपुर-लोकमान्य तिलक (ट.)	15:50	16:10	औड़िहार-वाराणसी-जंघई-प्रयागराज-मानिकपुर	गोरखपुर-बाराबंकी-लखनऊ-कानपुर सेंट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-बीना-इटारसी	18.02.2025
11072	बलिया-लोकमान्य तिलक (ट.)	19:10	19:35	वाराणसी-जंघई-प्रयागराज-मानिकपुर	वाराणसी-जौनपुर-लखनऊ-कानपुर सेंट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-बीना	18.02.2025

नोटः- रेल यात्रियों को सुझाव दिया जाता है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों की समय-सारणी, संरचना एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139, एनटीईएस ऐप एवं रेल मदद वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in के माध्यम से अद्यतन जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं0 1800 4199 139 | उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 325/25(A)

कोई भी मैच छोटा व बडा नहीं होता- न्यायमूर्ति दीक्षित

प्रयागराज। रविवार को ओपन स्टेट आमंत्रण सीनियर पुरुष व महिला बैडमिन्टन प्रतियोगिता का आयोजन अमिताभ बच्चन स्पोर्ट्स काम्पलेक्स हुआ। प्रतियोगिता का समापन मुख्य अतिथि उच्च न्यायालय इलाहाबाद के न्यायमूर्ति विपिन चन्द्र दीक्षित ने किया। विपिन चन्द्र दीक्षित ने सभी खिलाडियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा की ष्शुरूवाती मैचों में ही जीत कर के राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय मैचो में पहुंचा जा सकता है, कोई भी मैच छोटा व बडा नहीं होता, मैच की भावना से खेलना चाहिएष् एवं इस अवसर पर ओलम्पियन अभिन्न श्ययाम गुप्ता, अर्जुन एवार्डी, अन्तर्राष्ट्रीय बैडमिन्टन खिलाडी, विनोद कान्त श्रीवास्तव पर्व अपर महाअधिवक्ता, आर.एस. बेदी, एस.के. श्रीवास्तव, संदीप गुप्ता कीड़ाधिकारी, रंजीत यादव, मनीष गुप्ता, अरविन्द कु सोनकर, अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। मुख्य अतिथियों द्वारा विजेता खिलाडियों को मेडल पहनाकर एवं सर्टिफिकेट देकर पुरस्कृत किया गया। मुख्य अतिथियों का स्वागत एवं धन्यवाद क्षेत्रीय कीड़ाधिकारी प्रेम कुमार द्वारा ज्ञापित किया। पुरुष एकल वर्ग फाइनल मैच में हुसैन अंसारी, गोरखपु ने प्रशांत पाठक, आजमगढ़ को 19–21, 21–09, 21–09 से पराजित कर विजेता रहें। महिला एकल फाइनल मैच में श्रेया संतोष, आजमगढ़ ने माया कुमारी, आजमगढ़ को 21–14, 21–15 से पराजित कर विजेता रही। पुरूष डबल वर्ग फाइनल मैच में विशेष सिंह एवं प्रशांत पाठक आजमगढ़, ने हुसैन अंसारी एवं प्रखर मिश्रा गोरखपुर को 21–10 पराजित कर विजेता रहें। महिला डबल वर्ग फाइन्ल मैच में आजमगढ़ मण्डल की टीम माया कुमारी एव रिशिका यादव को विजेता का खिताब मिला।

केन्द्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का रविवार को महाकुंभ नगर आगमन पर भाजपा महानगर अध्यक्ष राजेन्द्र मिश्र ने स्वागत किया।

मुख्यमंत्री योगी ने सेक्टर–21 में कथावाचक प्रदीप मिश्रा की कथा में शामिल हुए।

अमरूद महोत्सव में एप्पल कलर प्रजाति के अमरूद का दिखा जलवा

महाकुंभ में आये श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहा एप्पल कलर अमरूद

प्रयागराज। खुसरोबाग अमरूद की विभिन्न फसलों के लिए प्रसिद्ध है। औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केंद्र खुसरोबाग में 16 फरवरी को अमरूद महोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे उप निदेशक डॉ० कृष्ण मोहन चौधरी के उद्बबोधन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। अमरूद महोत्सव में कई प्रकार के अमरूद की प्रदर्शनी की गई। एप्पल कलर, ललित, सरदार, धवल, चित्तीदार, इलाहाबादी सुरखा इत्यादि फसलों के अमरूद की प्रतियोगिता की गई जिसके मूल्यांकन के लिए कृषि विश्वविद्यालय से कृषि वैज्ञानिकों ने अपने अनुभव से प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार दिया। कार्यक्रम में उन्होंने अपने अनुभव भी साझा किया। युवा वैज्ञानिक डॉ० प्रत्यूष द्विवेदी में प्रोडक्ट मैनेजमेंट, बदलते मौसम के स्वरूप तथा वैल्यू एडिशन पर प्रकाश डाला। उसके बाद कीट विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक अनुराग तायड़े ने अमरूद के पौधों एवं फलों पर लगने वाले कीटों और उनसे बचने के उपायों के बारे में चर्चा की। डॉ० मनोज ने कंपोस्ट खाद पर अपना विचार साझा किया। औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केंद्र खुसरो बाग प्रयागराज के प्रभारी वी के सिंह ने अमरूद की फसलों पर आज के समय मे पड़ने वाले प्रभावों और सरकार द्वारा दिये गए प्रस्तावों पर चर्चा की। वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ० शैलेन्द्र कुमार सिंह ने छात्रों और दर्शकों से संवाद कर फलों और पौधों के बारे में बहुत से जुड़े मिथक को दूर किया। प्रयागराज के लोक विधा में तेजी से अपना नाम बढ़ा रहे धीरज पटेल और मिथिलेश राही की जोड़ी ने किसानों और देशभक्ति भजनों से सभी को मधुर रास में भिगो दिया।

कर्नाटिक वायलिन और संतूर के संगम से डीपीएस परिसर हुआ मंत्रमुग्ध

प्रयागराज। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को युवाओं के बीच बढ़ावा देने के आंदोलन में महाकुंभ मेले में स्पिक मैके और एचसीएल कॉन्सर्टस के संयुक्त तत्वावधान में 7 दिवसीय अनहद–नाद कार्यक्रम का आयोजन चल रहा है। इस कार्यक्रम को ऑडियो पार्टनर के रूप में जेबीएल का सहयोग है। आयोजन के दूसरे दिन आज कर्नाटिक वायलिन के विश्वविख्यात कलाकार और संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित विद्वान मैसूर मंजूनाथन जी और

संतूर गुरु कहे जाने वाले युवा संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित पंडित अभय सोपोरी जी ने समां बांध दिया। मैसूर मंजूनाथन जी ने वायलिन से ऐसी धुन बिखेरी की सुनने वालों का जमावड़ा–सा लग गया। प्रस्तुति के समाप्त होते ही सेल्फी लेने के लिए लोगों का तांता लग गया। इस पर विद्यालय की निदेशक सोनू सिंह जी ने स्पिक मैके को सराहते हुए कहा– ष्हमारी सांस्कृतिक धरोहर को युवाओं के स्थापित और उसके अस्तित्व को वर्षों तक जीवनदान देने की भूमिका स्पिक मैके को अपने आप में बेहद अलग और कल्याणकारी बनाती है।ष साथ ही पंडित अभय सोपोरी जी की प्रस्तुति ने भी सभी का मन मोह लिया। धुनों ने मन की शांति को छू लिया और महाकुंभ मेला क्षेत्र सांस्कृतिक धरोहर के संगम की धुन से गुंजायमान हो उठा। इस दौरान डॉ. अंकित पारेख ने पखवज पर और चंचलष् सिंह जी ने तबले पर सहयोग दिया। कार्यक्रम में कलाकारों और आगंतुकों का स्वागत प्रधानाचार्या सुजाता सिंह जी ने किया और धन्यवाद ज्ञापन स्पिक मैके के प्रदेश सचिव श्रेयश शुक्ला ने दिया। इस दौरान कार्यक्रम का संचालन इशिता शुक्ला ने किया। साथ ही ऋषि मिश्रा, मधु शुक्ला, आर्यन गुप्ता, शुभी द्विवेदी, रिया, युवराज, शैवालिनी यादव, आरती द्विवेदी, देवेश पाण्डेय, विशाल आदि मौजूद रहे।

पुस्तक सम्पूर्ण समर्पण का विमोचन।

प्रयागराज। आशी आशियाना एवम् डाक मनोरंजन क्लब प्रधान डाकघर प्रयागराज के तत्वाधान एक काव्य गोष्ठी का आयोजन एवं अभिषेक आशी

की पुस्तक श्सम्पूर्ण समर्पणश का विमोचन राजेश वर्मा, जन सम्पर्क निरीक्षक, अमरेंद्र श्रीवास्तव, नंदिता एकांकी ने किया। द्वितीय सत्र में काव्य गोष्ठी एवं साहित्य चर्चा कुछ युवा रचनाकार गौरव मिश्र ने श्एक दिया है जल रहा है..श विनम्र शुक्ला ने श्आखिरी बात कहा था यही..श दिव्यांश त्रिपाठी, आकांक्षा बरनवाल व प्रिया गुप्ता ने अपनी रचना व गीत की प्रस्तुति की। इसी के साथ संस्था द्वारा श्री राजेश वर्मा का सम्मान किया गया और सभी को सम्मान पत्र दिया गया।

महापौर ने केंद्रीय मंत्री को गंगाजल भेंट किया।

प्रयागराज। महापौर गणेश केसरवानी ने केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान कों त्रिवेणी संगम का गंगाजल भेंट कर कुंभ नगरी में स्वागत किया। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि भारतीय महाकुंभ, सनातन सभ्यता, संस्कृति, दर्शन और हमारी शाश्वत परंपराओं की जीवन्तता का प्रमाण है। विधायक दीपक पटेल, एमएलसी सुरेंद्र चौधरी, राजेश केसरवानी, प्रमोद मोदी, आयुष अग्रहरि रहे।

मुख्यमंत्री ने साधु–संतों से भेंट की।

महाकुम्भ नगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को महाकुम्भनगर में विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया और साधु–संतों से भेंट की। उन्होंने जूना अखाड़ा के आचार्य महामण्डलेश्वर अवधेशानंद गिरी से भेंट कर महाकुम्भ की व्यवस्थाओं पर चर्चा की।

मेरठ में फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन।

प्रयागराज। जिला एवं मण्डल स्तरीय सीनियर महिला फुटबाल एवं समन्वय सबजूनियर बालक फुटबाल चयन, ट्रायल्स पं०दीन दयाल उपाध्याय जन्मशताब्दी के अवसर पर प्रदेश स्तरीय सीनियर महिला फुटबाल प्रतियोगिता 21 से 28 फरवरी, 2025 तक बस्ती में एवं दिनांक 22 फरवरी, 2025 से 01 मार्च, 2025 तक प्रदेश स्तरीय समन्वय सबजूनियर बालक फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन मेरठ में किया जा रहा है। क्षेत्रीय खेल कार्यालय, प्रयागराज द्वारा उक्त प्रतियोगिता में भाग लेने वाली मण्डलीय टीम के चयन हेतु जिला स्तरीय सीनियर महिला फुटबाल ट्रायल दिनांक 18.02.2025 को अपरान्ह 12.00 बजे एवं समन्वय सबजूनियर बालक फुटबाल ट्रायल दिनांक 18.02.2025 अपरान्ह 2.30 बजे मदन मोहन मालवीय स्टेडियम, प्रयागराज में किया जायेगा। जिला स्तर पर चयनित खिलाड़ी मण्डल स्तरीय चयन, ट्रायल्स में भाग लेगें। मण्डल स्तरीय सीनियर महिला फुटबाल ट्रायल दिनांक 19. 02.2025 को पूवान्ह 10.00 बजे एवं समन्वय सबजूनियर बालक फुटबाल ट्रायल दिनांक 19.02.2025 अपरान्ह 1.00 बजे मदन मोहन मालवीय स्टेडियम, प्रयागराज में किया जायेगा। ट्रायल में भाग लेने वाले सबजूनियर बालक खिलाडी का जन्म 01 जनवरी, 2011 से 31 दिसम्बर, 2012 के मध्य हो, वे पात्र होगें। अतः इच्छुक पात्र खिलाड़ी अपनी पात्रता प्रमाण–पत्र जैसे आधार कार्ड एवं नगर निगम, नगर पालिका से निर्गत जन्म तिथि प्रमाण–पत्र की मूल प्रति के साथ उसकी छाया प्रति के साथ फुटबाल प्रशिक्षक संजय कुमार सिंह से सम्पर्क कर सकते है।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062